

Published Date:	2 Jun 2026	Publication:	Darpan View(Hindi) [Agra]
Journalist:	Bureau	Page No:	6
Circulation:	8,000		

एसआईपी में निवेश तो बढ़ा, पर रजिस्ट्रेशन के रुझान जता रहे निवेशकों की सतर्कता

दर्पण व्यू डेस्क

आगरा। फिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) उन आम और छोटे निवेशकों के लिए एक बेहतरीन महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है, जो म्यूचुअल फंड के माध्यम से लंबे समय में बड़ी संपत्ति या फंड बनाना चाहते हैं। इंडस्ट्री के आंकड़ों से पता चलता है कि आगरा में एसआईपी रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 में 0.85% था, जो अप्रैल 2026 में बढ़कर 0.89% हो गया। यह

बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि शेयर बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का धरोरा डिंग नहीं है और वे लगातार बाजार में अपनी भागीदारी को बनाए हुए हैं (स्रोत: ऑनलाइन डेटा)।

पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में भी एसआईपी के ज़रिए लगातार पैसा आना जारी है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, 2026 के पहले चार महीनों में एसआईपी से आने वाला पैसा पूरी तरह स्थिर रहा और यह लगभग रुपये 30,000 करोड़ के आस-पास बना रहा। यह दिखाता है कि निवेशक लगातार बाजार में



बने हुए हैं।

निवेशकों के बढ़ते व्यवहार पर टाटा एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, प्रविल भोने ने कहा, निवेश में उतार-चढ़ाव आना तब है-लेकिन उस पर तुल्य प्रतिक्रिया देना आपके हाथ में है। टाटा म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि लंबे समय का मुनाफा इस बात से तय नहीं होता कि बाजार कैसा चल रहा है, बल्कि इस बात से तय होता

है कि उस माहौल में निवेशक कैसा व्यवहार करते हैं। सही तरीके से और लगातार निवेश करते रहना ही सफल निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है। इस कैपेस के ज़रिए हम निवेशकों को बाजार में टिके रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं-यानी वे एसआईपी के ज़रिए नियमित निवेश करें, बाजार के हर उतार-चढ़ाव में बने रहें और हमेशा लंबे समय की सोच रखें। आगे चलकर यही अनुशासन, कंपाउंडिंग की ताकत और रूपाई कॉस्ट एवरेजिंग के फायदे के साथ मिलकर एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकता है।